WWF
IND
2015

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग वाले गैंडे की स्थिति एवं अनुश्रवण

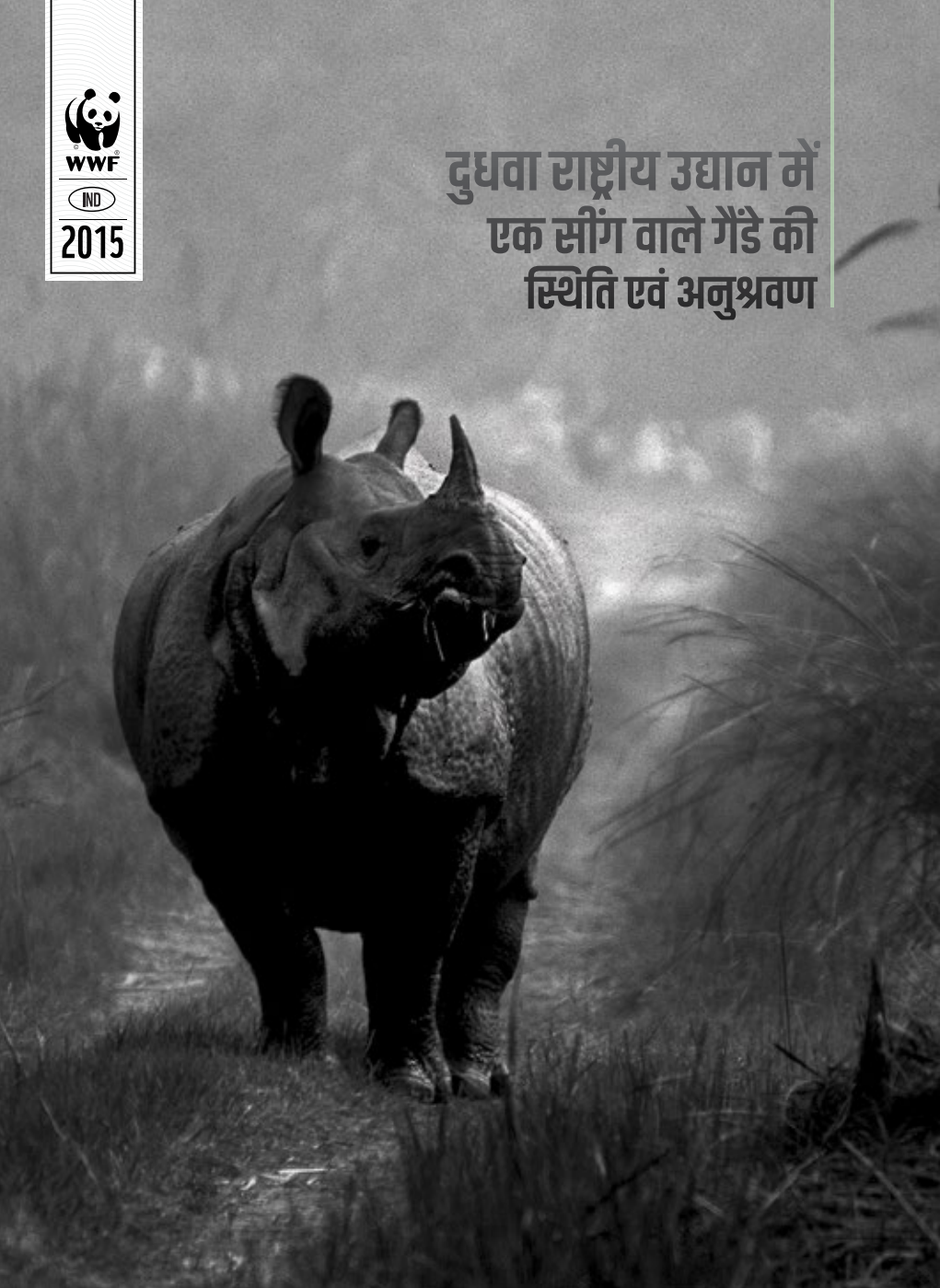

उद्धरणः
शर्मा, आर. और गुप्ता, एम. 2015
दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग वाले गैंडे की स्थिति एवं अनुश्रवण
विश्व प्रकृति निधि - भारत, नई दिल्ली

विश्व प्रकृति निधि - भारत द्वारा प्रकाशित
©2015
सर्वाधिकार सुरक्षित
इस सामग्री का पूर्ण या आंशिक रूप में पुनः प्रकाशन करते वक्त शीर्षक का जिक्र करना और प्रकाशक की सूचना देना अनिवार्य है।

विश्व प्रकृति निधि - भारत
172-बी, लोधी ऐस्टेट
नई दिल्ली - 110 003
टेलीफोनः +91 11 4150 4814
www.wwfindia.org

डिज़ाइनः छवि जैन / विश्व प्रकृति निधि - भारत

आवरण चित्रः
© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग वाले गैंडे की स्थिति एवं अनुश्रवण

© इरशाद अली, महावत / दुधवा टाइगर रिज़र्व

एक बाघ (नर) राजश्री (मादा गैंडा) और उसके एक महीने के बछड़े का पीछा करते हुए

प्राक्कथन

डॉ॰ रुपक डे, आई.एफ.एस.

प्रमुख वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक, उत्तर प्रदेश

भारत में एक सींग वाले गैंडे की आबादी गंभीर खतरे में है। एक ऐसा पशु जो कभी समग्र उत्तर व पूर्व भारत में विचरता था अब वह असम व पश्चिम बंगाल के कुछ ही इलाकों तक सीमित हो कर रह गया है तथा उत्तर प्रदेश में उसे पुनः बसाया गया है। उत्तर प्रदेश का तराई क्षेत्र भाग्यशाली है कि शिकार के चलते, गायब हुए गैंडों को यहां फिर बसाया गया है। हालांकि यहां पुनर्वासित गैंडों की आबादी में वृद्धि हुई है फिर भी यह अत्यावश्यक है कि इनकी निगरानी हेतु नई एवं ज्यादा उन्नत पद्धतियां स्थापित की जाएं।

दुधवा टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश में सबसे पुराना संरक्षित क्षेत्र और बाघों का संरक्षण स्थल है। यह कई महत्वपूर्ण एवं लुप्तप्राय वनस्पतियों और जीव-जंतुओं का वासस्थल है जैसे बाघ, तेंदुआ, हाथी, भालू, बारासिंगा इत्यादि। दुधवा में अब गैंडों की तादाद फिर से बढ़ रही है और यह उपलब्धि संरक्षण की सफलता की कहानी कहती है।

दुधवा में गैंडों के प्रभावी संरक्षण और अनुश्रवण की दिशा में यह 'गैंडा पहचान पुस्तिका' एक दिलचस्प, सकारात्मक और स्वागत योग्य कदम है। यह फील्ड गाइड इस किस्म की पहली पुस्तिका है जो तस्वीरों व पहचान के निशानों सहित हर एक गैंडे के बारे में संपूर्ण व ठोस जानकारी मुहैया कराती है। यह प्रकाशन अग्रिम पंक्ति पर कार्यरत वन कर्मियों और प्रबंधकों के लिए काफी उपयोगी है जिससे प्रभावी अनुश्रवण व संरक्षण रणनीति में काफी मदद मिलेगी। यह पुस्तिका विश्व प्रकृति निधि - भारत तथा दुधवा टाइगर रिजर्व प्रबंधन व कर्मचारियों के सम्मिलित प्रयास का परिणाम है। विश्व प्रकृति निधि - भारत, वन विभाग उत्तर प्रदेश के साथ प्रशिक्षण की दिशा में अभिनव प्रयास करेंगे तथा टाइगर रिजर्व प्रबंधन व कर्मी इस कार्यक्रम को गैंडा अनुश्रवण में लागू करेंगे।

यह पुस्तिका अन्य प्राणी उद्यानों एवं राज्यों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगी कि वे भी तकनीकी रूप से उन्नत किन्तु आसान, इस प्रोटोकॉल को अपने यहाँ महत्वपूर्ण वन्य प्राणियों के अनुश्रवण हेतु अपनाएं।

(रूपक डे, डॉ.)

रवि सिंह

महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, विश्व प्रकृति निधि - भारत

हालांकि दुनिया भर में गैंडों की आबादी कम हो रही है लेकिन भारतीय गैंडे या एक सींग वाले गैंडे की तादाद भारत में फिर से वृद्धि की ओर अग्रसर हुई है और ऐसा जमीनी स्तर संरक्षण की कार्यवाही से संभव हुआ है। भारत में गैंडे चार राज्यों में पाए जाते हैं इनकी सबसे बड़ी आबादी असम में है, इसके बाद पश्चिम बंगाल व उत्तर प्रदेश का नंबर आता है और थोड़ी संख्या बिहार में भी है। उत्तर प्रदेश के दुधवा में गैंडों की आबादी को तीन दशक पहले पुनः स्थापित किया गया था, तब असम व नेपाल से गैंडों को यहां लाया गया था। दुधवा में फिर से गैंडों को लाने का कार्यक्रम इस तथ्य का सबूत है कि सक्रिय प्रबंधन उपायों से वन्यजीवों की आबादी को संरक्षित किया जा सकता है।

यद्यपि, पिछले तीस सालों में गैंडों की संख्या में इजाफा हुआ है, किंतु इनकी वैज्ञानिक ढंग से निगरानी के मामले में अभी भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। दुधवा समेत उत्तर प्रदेश के संपूर्ण तराई क्षेत्र में संकट ग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध उ.प्र. वन विभाग ने विश्व प्रकृति निधि - भारत के सहयोग से इस राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में गैंडों का वैज्ञानिक अनुश्रवण प्रारंभ किया। भारत में नई तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए यह कार्यक्रम गैंडों की निगरानी में नए मानक स्थापित करने को तैयार है। हमें आशा है कि यह एक अकेली पहल नहीं होगी तथा अन्य अनुश्रवण कार्यक्रम इससे सीखेंगे और सुधार करते हुए पहले से अधिक, गहन व वैज्ञानिक रूप से पुख्ता पद्धति को अमल में लाएंगे तथा अन्य स्थानों एवं देशों में गैंडों की आबादी पर निगाह रखेंगे।

मैं सभी संबंधित लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने इस कार्य का बीड़ा उठाया; खास कर उ.प्र. के मुख्य वन्यजीवन प्रतिपालक, क्षेत्र निदेशक, उप निदेशक, एसीएफ, रेंज अधिकारी, फारेस्ट गार्ड तथा दुधवा टाइगर रिजर्व के महावत; विश्व प्रकृति निधि एरियाज कार्यक्रम समन्वयक; एनटीएनसी-नेपाल एवं दुधवा में कार्यरत विश्व प्रकृति निधि - भारत तराई आर्क लैंडस्केप प्रोग्राम की क्षेत्रीय टीम को।

(रवि सिंह)

© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

आभार

दुधवा का आईडी (पहचान) आधारित गैंडा अनुश्रवण कार्यक्रम अब ककराहा गैंडा पुनर्वासन क्षेत्र में निगरानी का मानक तरीका बन चुका है। इस कार्यक्रम को कामयाबी के साथ लागू करने में बहुत से लोगों की इच्छा शक्ति और कड़ी मेहनत काम आई है जिनमें उ.प्र. वन विभाग तथा विश्व प्रकृति निधि - भारत दोनों के ही लोग शामिल हैं। हम डॉ रूपक डे (मुख्य वन संरक्षण प्रमुख एवं प्रमुख वन्यजीव प्रतिपालक) के शुक्रगुजार हैं कि उन्होंने इस कार्यक्रम में गहन रुचि ली और अपना अमूल्य सहयोग दिया। विश्व प्रकृति निधि - भारत में हम श्री रवि सिंह (महासचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी), डॉ सेजल वोराह (कार्यक्रम निदेशक) एवं डॉ दीपांकर घोष (निदेशक-प्रजातियां एवं परिदृश्य) का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इस पूरे दौर में कार्यक्रम को आर्थिक सहायता एवं सहयोग को निरंतर बनाए रखा।

श्री शैलेश प्रसाद (क्षेत्र निदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व), श्री गणेश एस. भट (पूर्व उपनिदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व) और श्री विनोद कृष्ण सिंह (उपनिदेशक, दुधवा टाइगर रिजर्व) को भी हम बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं; कार्यक्रम को किसी बाधा का सामना न करना पड़े इसके लिए उन्होंने लगातार सहयोग जारी रखा। श्री गणेश एस. भट का हम खास तौर पर शुक्रिया अदा करना चाहेंगे जिनके साथ पहचान आधारित गैंडा अनुश्रवण को पुख्ता स्वरूप देने के लिए घंटों तक चर्चा की तथा श्री विनोद कृष्ण सिंह एवं श्रीमती आभा सिंह को हमारा विशेष धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा वातावरण उपलब्ध कराया। हम बेलरायां के वन्यजीवन प्रतिपालक श्री आनंद कुमार श्रीवास्तव, दक्षिण सोनारीपुर के पूर्व रेंज अधिकारी श्री सी.के.पी. चौधरी, दक्षिण सोनारीपुर के रेंज अधिकारी श्री डी.के. लाल श्रीवास्तव का भी धन्यवाद करना चाहेंगे जिनकी रुचि एवं क्षेत्र में निरंतर उपस्थिति के बगैर यह कार्यक्रम प्रभावी ढंग से अमल में नहीं आ पाता।

अगर एनटीएनसी, नेपाल के बाबू राम लमिछाने ने कई घंटों का प्रशिक्षण न दिया होता तो यह अनुश्रवण कार्यक्रम इतनी अच्छी तरह शुरु न हुआ होता। वह इस पूरी अवधि में बहुत मददगार रहे। विश्व प्रकृति निधि - भारत के अनुसंधान सहायक श्री प्रणव चंचानी की उपयोगी सलाह और कार्यक्रम समन्वय में मदद देने वाले परियोजना अधिकारी श्री दबीर हसन के बगैर बहुत सा काम संभव न हुआ होता। विश्व प्रकृति निधि की बाघ निगरानी टीम में शामिल आशिष बिस्ता, मैकसन डी'अलमीडा, रेखा वारियर, रोहित रवि और श्वेता नायर और वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया के पशु चिकित्सक, डॉ. सौरभ सिंघई - परियोजना में योगदान हेतु तथा सर्वश्रेष्ठ संभव साथी बनने के लिए मैं इन सभी का आभारी हूं। मैं अपने क्षेत्र सहयोगियों उदन लाल और देवेन्द्र कुमार का भी शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मेरे क्षेत्रीय कार्य को बड़े परिश्रम से पूरा किया और मैं शेर सिंह का आभार प्रकट करता हूं, जंगल में रहने और काम करने के बारे में मैं जो कुछ भी जानता हूं वह सब उन्हीं ने सिखाया है। मैं छवि जैन तथा अनिल चेरुकुपल्ली का शुक्रगुजार हूं जिनके कई घंटों के परिश्रम से इस रिपोर्ट की डिजाइनिंग व प्रकाशन संभव हो सका। मैं डॉ. सत्य प्रिय सिन्हा का भी आभारी हूं जिन्होंने अपना समग्र कार्य मुझे सुलभ कराया और जिनकी मदद के बिना गैंडों का वंश-वृक्ष कभी पूरा नहीं हो पाता।

और अंततोगत्वा, ककराहा गैंडा क्षेत्र के कर्मचारियों का बहुत-बहुत धन्यवाद- घनश्याम शुक्ला (उप रेंज अधिकारी, दक्षिण सोनारीपुर) जिन्होंने पूरी अवधि में कर्मचारियों को अपना फर्ज निभाने के लिए प्रेरित किया। हाथियों पर सवार कर्मियों पर मुझे गर्व महसूस होता है जिन्होंने कितनी ही बाधाओं और मुश्किलों (जिनमें निरक्षरता भी एक है) से पार पाते हुए फोटोग्राफिक व रिमोट-सेंस्ड आंकड़ों को एकत्रित किया; महावतगणः छोटे लाल, जगरूप प्रसाद, इदरीस खान, इरशाद अली, लल्लन बख्श, मनोज कुमार, मोहम्मद उमर, रामेश्वर यादव, सुशील कुमार; तथा चारा कटरः ऐजाज अली, मेहताब, पप्पू, कियामुद्दीन, रहीस, राम अवतार, रंजीत, रियासुद्दीन, सफीक, सानू, सुरेश, ताज - पहचान आधारित गैंडा निगरानी कार्यक्रम के अमल में इन सभी की सबसे बड़ी भूमिका है। और मैं अपने इन मोटी चमड़ी वाले विशाल ताकतवर दोस्तों यानी हाथियों को नहीं भूल सकता जिनके नाम हैंः बतालिक, गजराज, मधु, मोहन, पाखरी, पवनकाली, पुष्पाकली, रूपकली, सुंदर - हमें वन क्षेत्र में ले जाने का काम इन्होंने ही किया और आक्रामक गैंडों व बाघों को दूर रखा।

सबसे अंत में, किंतु बेहद अहम, मैं अपने परिवार को धन्यवाद देता हूं जिनके निरंतर सहयोग व प्रोत्साहन के बिना मैं इस मुकाम पर न पहुंच पाता।

रुचिर शर्मा
दुधवा, उत्तर प्रदेश

क्रम-सूची

परिचय	**1**
पहचान आधारित गैंडा अनुश्रवण योजना	**4**
गैंडों की जैविकी	**7**
गैंडों की पहचान	
बांके	15
स्वयंवरा	21
नारायणी	27
सुहेली	33
भीमसेन	39
नकुल	45
राजश्री	51
राजेश्वरी	57
विजयश्री	63
हेमवती	69
सहदेव	75
सदा	81
शमा	87
हेमराज	93
पवन	99
रघु	105
विजयश्री का बछड़ा	111
सुभद्रा	117
अज्ञात नर 1	123
अज्ञात नर 2	129
अज्ञात मादा 1	135
अनुलग्नक	
दुधवा में पुनर्वासित गेंडों का विवरण	**143**
दुधवा के गैंडों का वंश-वृक्ष	**144**
ककराहा का गैंडा पुनर्वास क्षेत्र	**148**
गार्मिन ईट्रैक्स 10 का गाइड	**149**
प्रजाति अनुश्रवण फॉर्म	**153**
गैंडा पुनर्वास क्षेत्र में पाए जाने वाले स्तनपायी जंतुओं की सूची	**155**
गैंडा पुनर्वास क्षेत्र में पाई जाने वाली वनस्पतियां की सूची	**158**
संदर्भ	**160**

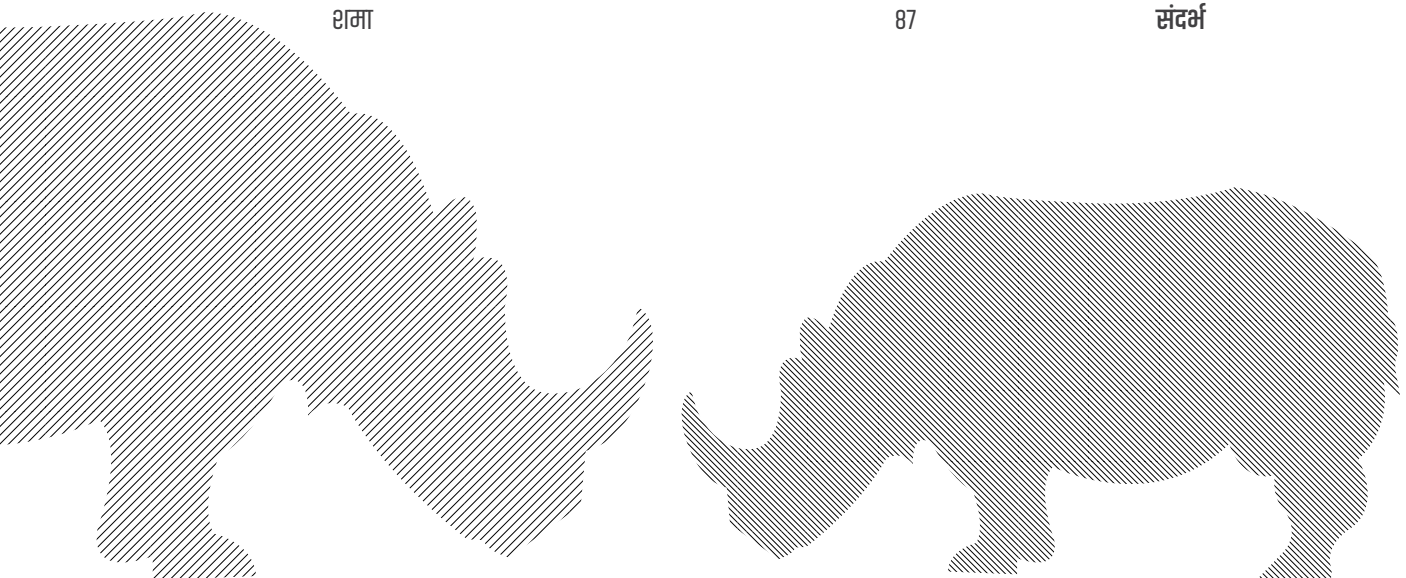

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी जिले में स्थित और भारत-नेपाल सीमा के साथ लगा हुआ है दुधवा राष्ट्रीय उद्यान।

इस उद्यान में साल (शोरिया रोबस्टा) के घने जंगल, मिश्रित नम वन, तटीय समुदाय और लंबे गीले घास के मैदान हैं, जिनमें छोटी घास के इलाके भी हैं।

घास के मैदान कुल क्षेत्र के 20 प्रतिशत हिस्से को ढके हुए हैं। घास के इन मैदानों में कई दलदल फैले हुए हैं।

अक्षांशः 28° 18'N तथा 28°42'N
देशांतरः 80°28'E तथा 80°57'E

उद्यान का क्षेत्रफल 680.335 वर्ग किलोमीटर है।
490.2979 वर्ग किलोमीटर 'कोर' क्षेत्र है
190.0371 वर्ग किलोमीटर 'बफर' क्षेत्र है
(माथुर व मिधा, 2008)

वनस्पति प्रजातियों की संख्या[1]

पेड़ | झाड़ियां | लताएं | घास और घास के मैदानों के पौधे | जलीय पौधे

एक सींग वाला गैंडा (राइनोसेरॉस यूनिकॉर्निस, लेनिअस, 1758) भारत में पाए जाने वाले बड़े प्राणियों की सबसे संकटग्रस्त प्रजातियों में से एक है तथा यह गैंडे की पांच बची हुई प्रजातियों में से एक है अनुमान के मुताबिक कभी गैंडों की 30 प्रजातियां हुआ करती थीं (नोवाक एवं पारादिसो, 1983)। किसी जमाने में ये सिंधु नदी, गंगा व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ के मैदानों में, पश्चिम में हिंदुकुश से लेकर पूर्व में वर्तमान भारत-म्यांमार सीमा तक विचरण किया करते थे (डिनरस्टीन, 2003)। लेकिन पिछले 300 वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप के कछार के घास के मैदानों के खत्म होने से गैंडों की आबादी में भारी कमी आई है। पीलीभीत वन प्रभाग में 1878 में आखिरी गैंडे को गोली मारी गई, इसके साथ ही भारत के तराई क्षेत्र से इनका विनाश हो गया (ह्यूविट, 1938) और गैंडों की आबादी भारत के असम व पश्चिम बंगाल तथा नेपाल के राष्ट्रीय उद्यानों व अभयारण्यों तक सिमट कर रह गई। काजीरंगा और चितवन में रहने वाले गैंडों में किसी

[1](सन्हा और सावरकर, 1991)

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान का गैंडा पुनर्वासन क्षेत्र

जंतुओं की प्रजातियां

- 413 पक्षी
- 79 मछलियां
- 47 स्तनपायी
- 35 सरीसृप

संकटग्रस्त जीव[2]

एक सींग वाला गेंडा	बारासिंगा	बंगाल टाइगर	एशियाई हाथी	तेंदुआ	काला भालू	झबरा खरगोश	घड़ियाल	बंगाल फ्लोरिकन
राइनोसेरॉस यूनिकॉर्निस	रुसेरवस डुवाउसेली	पैंथेरा टाइग्रिस	ऐलीफास मैक्सिमस	पैंथेरा पार्डस	मेलुरसुस युर्सिनस	कैप्रोलागस हिस्पिडस	गैवियालिस गंगेटिकस	हुबारोप्सिस बेंगालेनसिस

महामारी के फैलने पर उनके बचने का कोई रास्ता नहीं होता और वे लुप्त होने के कगार पर पहुंच जाते।

सन् 1979 में वन्यजीवन हेतु भारतीय बोर्ड ने एक समिति स्थापित की ताकि भारत में गैंडों की स्थिति की समीक्षा की जा सके तथा विभिन्न नई आबादियों की स्थापना हेतु परामर्श दिया जा सके (शेकेल, 1983)। भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण द्वारा दुधवा में गैंडो के प्राकृतिक आवास की उपयुक्तता जानने के लिए गहन सर्वेक्षण

दुधवा टाइगर रिजर्व में गेंडा पुनर्वासन कार्यक्रम को भारत में इस किस्म के सबसे कामयाब कार्यक्रमों में से एक कहा जा सकता है।

के पश्चात् (हाजरा व शुक्ला, 1982) असम के पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य से पांच गैंडे पकड़े गए - जिनमें एक उपव्यस्क व दो अधिक उम्र की मादाएं तथा एक युवा व्यस्क व एक बड़ी उम्र का नर गैंडा शामिल थे। सन् 1984 में इन्हें दक्षिण सोनारीपुर रेंज के ककराहा ब्लॉक में 27 वर्ग किलोमीटर[2] के गैंडा पुनर्वासन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। करीबी गांवों व खेतों में गैंडो का मनुष्यों से सामना न हो पाए तथा उनके प्रारंभिक प्राकृतिक आवास को आदर्श बनाने के लिए इस क्षेत्र में बिजली के तारों की बाड़ बनाई गई। बड़ी उम्र की दोनों मादाएं यहां आने के कुछ ही समय बाद मर गई लेकिन बाकी के तीन वहां ठीक तरह से बस गए। यहां बसाई गई आबादी में आनुवांशिक विविधता को बरकरार रखने के लिए किसी दूसरी आबादी से कुछ और गैंडों को यहां लाने का फैसला किया गया। सन्

[2](डे, 2001)

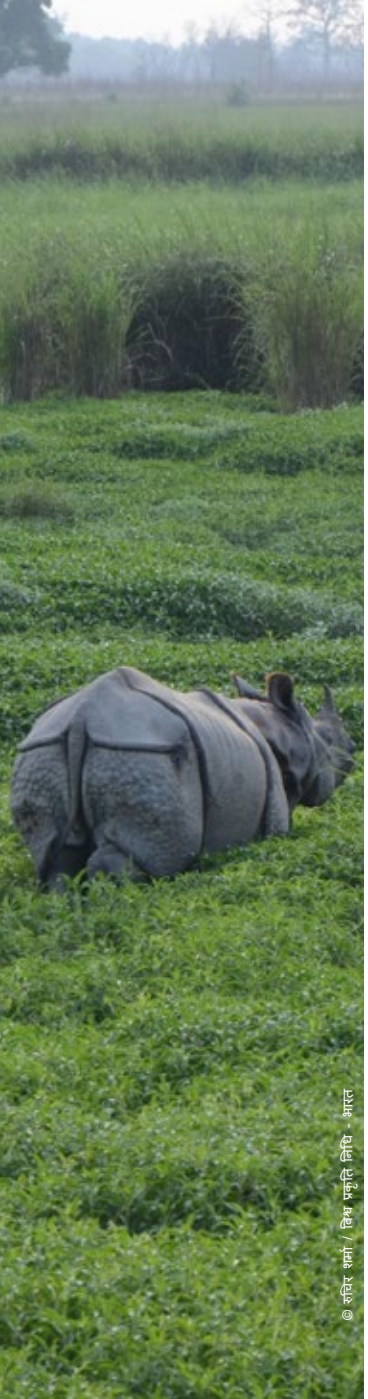

© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

1985 में नेपाल सरकार के सहयोग से चितवन राष्ट्रीय उद्यान से चार मादा गैंडों को यहां बसाया गया और इन चारों को अपना नया इलाका रास आ गया (सेल और सिंह, 1987)। यहां के शुरुआती बाशिंदों में से अब तक केवल तीन ही जीवित हैं किंतु इनकी आबादी में ठोस बढ़त देखने में आई है।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिण सोनारीपुर रेंज स्थित ककराहा गेंडा क्षेत्र में जब से पहले-पहल गैंडों को लाया गया था तब से यहां उनकी तदाद में इजाफा हुआ है।

बीते तीन दशकों में उ.प्र. वन विभाग के समर्पित प्रबंधन प्रयासों के चलते यह उपलब्धि हासिल हो सकी है।

संरक्षित प्रजातियों के गैरकानूनी व्यापार में बढ़त की वजह से बेहतर निगरानी कार्यक्रम की जरूरत बढ़ती जा रही थी ताकि जंगली जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पहचान आधारित गेंडा निगरानी कार्यक्रम उसी लक्ष्य की प्राप्ति की ओर एक कदम है। विलियम ऐंड्रयू लॉरी (1978) द्वारा विकसित पहचान पद्धति का इस्तेमाल करते हुए जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन ने एक कार्यक्रम तैयार किया जिससे व्यक्तिगत स्तर पर पूरी आबादी पर नजर रखी जा सके, यह तरीका नेपाल में सफलता से लागू किया जा चुका था।

औपचारिक गैंडा निगरानी कार्यक्रम की स्थापना के पहले कदम के तौर पर पिछले दो वर्षों के दौरान डब्ल्यू डब्ल्यू एफ - भारत और दुधवा टाइगर रिजर्व के कर्मचारियों ने ककराहा में संयुक्त रूप से सभी गैंडों की पहचान की, इसके लिए मानकीकृत विधियां उपयोग की गईं जिनमें विशुद्ध रूप से फोटोग्राफिक डेटा पर भरोसा किया जाता है तथा गैंडों को एक दूसरे से अलग पहचानने के लिए बाहरी आकृति विज्ञान में व्यक्तिगत विविधताओं का प्रयोग किया गया। वर्तमान सर्वेक्षण से पता लगा कि इस घेरे में कम से कम 23 व्यस्क एवं 4 किशोर गैंडे तो मौजूद हैं।

यह रिपोर्ट तस्वीरों, इतिहास और पहचान की खासियतों के साथ इन गैंडों का ब्यौरा देती है।

पहचान आधारित गैंडा निगरानी कार्यक्रम

© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

भारत एक सींग वाले गैंडों का घर है जो असम के काजीरंगा में व आसपास अधिक पाए जाते हैं। हालांकि और भी जगहों पर गैंडों की पुनः स्थापना हुई है किंतु दुधवा को अन्य से बेहतर मॉडल माना जाता है। पिछले तीस वर्षों में आबादी में वृद्धि के साथ इस घेरे में और अधिक व्यवस्थित ढंग से अनुश्रवण का नियम बनाने की आवश्यकता है ताकि गैंडों की स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित की जा सके। नेपाली तराई के इलाके में गैंडों की संख्या लगभग खत्म हो चली थी किंतु वहां स्थिति पलट गई। बर्दिया, चितवन और शुक्लाफांटा में व्यक्गित रूप से निगरानी कर हर गैंडे व उसके बच्चे पर करीब से नजर रखी गई। यही पद्धति भारत के दुधवा टाइगर रिजर्व व मानस टाइगर रिजर्व में अपनाई गई।

दुधवा में इस कार्यक्रम के तहत शुरुआती काम यह किया गया कि व्यक्तिगत पहचान का डाटाबेस तैयार किया गया। नैशनल ट्रस्ट फॉर नेचर कंज़र्वेशन (एनटीएनसी), नेपाल के सहयोग से कई प्रशिक्षण कार्यशालाओं में कर्मचारियों को गैंडों की पहचान करने के बारे में बताया गया। बायनोक्युलर, डिजिटल कैमरा व जीपीएस हैंडसैट का इस्तेमाल सिखाया गया। ककराहा में हाथियों पर सवार कर्मचारियों ने दो महीनों की अवधि में गैंडा क्षेत्र में मिलने

वाले गैंडों की तस्वीरें खींची। इस तरह गैंडों का पहला डाटाबेस बना जिसमें हर गैंडे को कम से कम दो-तीन खासियतों के साथ पहचान कर अलग किया गया। चूंकि गैंडे की मुख्य पहचान उसका सींग समय के साथ बदलता रहता है, इसलिए इस पहचान को नियमित तौर पर अपडेट किया गया। रिकॉर्ड दर्ज करने में आसानी और गैंडों की पहचान के लिए हर गैंडे को एक आईडी नंबर और एक नाम दिया गया। इन आईडी की मदद से अब गैंडों पर रोजाना नजर रखी जाती है। कर्मचारियों के गश्ती प्रयासों और प्रत्येक जंतु के रिमोट सेंस्ड डाटा के साथ एक रिपोर्ट बनाई जाती है जो कि महीने भर की सूचनाओं पर आधारित होती है। यह रिपोर्ट प्रबंधन के पास पहुंचाई जाती है ताकि इन विशालकाय शाकाहारी जानवरों की निगरानी व संरक्षण बेहतर हो सके।

कुछ गैंडों के नाम 1984 व 1985 में, उनको वहां लाए जाने पर, रखे गए तथा कईयों के नाम उनके जन्म पर रखे गए (सिन्हा व सावरकर, 1994)। किंतु रिकॉर्ड ठीक से न रखे जाने की वजह से कुछ जानवरों की पहचान के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। जहां तक मुमकिन हो सका, रिकॉर्ड को देख कर और क्षेत्रीय कर्मियों की जानकारी के आधार पर हर पशु को उसका नाम दिया गया। जिनका संबंध किसी भी पिछले रिकॉर्ड या नाम से स्थापित नहीं किया जा सका उन्हें कोड नाम दिया गया। हाल के सालों में नाम रखने की संस्कृति का पतन हुआ है इसलिए जिन पिछले जानवरों की पहचान की गई है उन्हें नाम नहीं दिए गए। उन्हें, उद्यान के प्रबंधन द्वारा रखे गए उनके पारिवारिक इतिहास के रिकॉर्ड के आधार पर नाम दिया गया है।

वैज्ञानिक ढंग के गैंडा अनुश्रवण कार्यक्रम को लागू करने की दिशा में यह पहला कदम रहा है। निरंतर कोशिशों से आईडी आधारित अनुश्रवण से समय के साथ-साथ गैंडों की प्रणालीगत निगरानी को बल मिलेगा तथा आबादी के मानकों पर महत्वपूर्ण सूचनाएं प्राप्त होंगी जैसे प्रजनन क्षमता, जन्म और जीवित बचने की दर। इसके अलावा अलग-अलग गैंडों के आंकड़े मिलने से हम दुधवा के गैंडों की होम रेंज, गतिविधियों के पैटर्न, भोजन के लिए घूमने की आदतों एवं व्यवहार को समझ पाने में सक्षम होंगे।

© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

गैंडे की जैविकी

एक सींग वाले गैंडे को 'ग्रेटर वन-हॉर्न राइनोसॉरस' (राइनोसेरॉस यूनिकॉर्निस) एवं भारतीय गैंडा भी कहा जाता है। यह सबसे विशालकाय ज़मीनी स्तनपायी जानवरों में से एक है। अफ्रीकी तथा एशियाई हाथी और सफेद गैंडे के बाद यह ज़मीन का सबसे बड़ा प्राणी है।

'राइनोसॉरस' एक ग्रीक शब्द है जिसमें 'राइनो' का मतलब है 'नाक' और 'सेरॉस' का अर्थ है 'सींग' तथा 'यूनिकॉर्निस' लैटिन शब्द है जिसमें 'यूनि' से तात्पर्य है 'एक' और 'कॉर्निस' का मतलब है 'सींग'। तो इस तरह ग्रेटर वन हॉर्न राइनो यानी भारतीय गैंडा एक सींग वाला होता है जिसके सींग की लंबाई 8 से 24 इंच (20 से 61 सें.मी.) हो सकती है।

गैंडा परिसोडैक्टल (Perissodactyla) अनुक्रम से संबंध रखता है (ग्रीक भाषा में परिसोस का अर्थ है विषम और डक्टायलोस का अर्थ होता है उंगली/अंगूठा)। परिसोडैक्टल को 'ऑड-टोड अंगुलेट्स (odd-toed ungulates) भी कहते हैं, इस अनुक्रम में गैंडों के अलावा घोड़े और टपीर (जंघपत) भी शामिल होते हैं। गैंडे के पैर में तीन खुर होते हैं, जिनमें लंबे नाखून होते हैं जिनकी मदद से वह दलदली भूमि पर पकड़ बना पाता है।

एक सींग वाले गैंडे का पदचिन्ह

वज़न

1500 से 2000 कि.ग्रा.

ऊंचाई व लंबाई

ऊंचाई : 6 फीट
लंबाई : 10 से 13 फीट

एक सींग वाले गैंडे की चमड़ी स्लेटी-भूरे रंग की होती है और खाल की सिलवटों पर गुलाबी रहती है तथा इसका सींग काले रंग का होता है। मादा गैंडे के मुकाबले नर गैंडे की गरदन पर खाल की सिलवटें ज्यादा विकसित दिखाई देती हैं। शरीर पर बाल होना असामान्य बात है, लेकिन पलकों, कान के किनारों और पूंछ पर बाल हमेशा रहते हैं।

सींग

यह सींग किसी हथियार का काम नहीं देता बल्कि यह प्रभुत्व दर्शाने के लिए होता है। यह सींग हड्डी का नहीं बना होता बल्कि केराटिन फाइबर का सघन पिंड होता है, ये फाइबर गैंडे के कपाल से नहीं जुड़े होते बल्कि नर्म हड्डी के कुशन पर टिके होते हैं। इस सींग में आजीवन टूट-फूट होती रहती है और गैंडे के पूरे जीवनकाल में यह सींग फिर से बढ़ने में सक्षम होता है।

सींग की बढ़ती मांग के चलते भारतीय गैंडे पर बहुत ज्यादा खतरा है। इसके सींग से कई किस्म की दवाएं बनती हैं इन दवाओं को काम शक्ति बढ़ाने व कैंसर के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। ये नितांत झूठी मान्यताएं हैं, गैंडे का सींग केराटिन का ठोस पिंड होता है, इंसानों के बाल और नाखून भी केराटिन के ही बने होते हैं। लेकिन इस जागरुकता की कमी के चलते गैंडे के सींग का कारोबार हर साल बढ़ता जा रहा है।

माना जाता है कि भारतीय गैंडे की नजर बेहद कमजोर होती है, इसलिए वह अपनी सूंघने व सुनने की क्षमता पर निर्भर रहता है। गैंडा 200-300 मीटर दूर से गंध सूंघ सकता है और अपने कप जैसे कानों की मदद से सभी दिशाओं से आने वाली ध्वनि तरंगों को सुन सकता है, किसी करीबी आवाज को सुनने के लिए उसके कान घूम जाते हैं।

© रुचिर शर्मा / दिशा प्रकृति निधि - भारत

मादा गैंडा पावित्रि अपने 2-3 दिन के बछड़े के साथ

व्यवहार

भारतीय गैंडा आम तौर पर निशाचर होता है, किंतु यह सुबह तड़के और दोपहर में देर तक भी सक्रिय रहता है। बाकी के समय यह ज्यादातर छाँव में आराम करते हुए या लोटते हुए वक्त बिताता है। वह अपना बहुत सा वक्त पानी के गढ़ढों में लोट लगाते हुए बिताता है, विशेषकर गर्मियों के मौसम में, इस तरह वह अपने शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है। यह प्रजाति गैंडों की सभी प्रजातियों में सबसे अधिक उभयचर है। इन्हें अक्सर पानी में या जलाशयों के करीब झुंडों में देखा जाता है। मानसून के दौरान गैंडे अक्सर दोपहर के समय अधिक चरते हैं।

गैंडे समूहों में नहीं रहते, किंतु व्यस्क मादाओं को अन्य माताओं व बछड़ों तथा उपव्यस्क गैंडों के साथ देखा जा सकता है। हालांकि नर गैंडे एकांतवासी होते हैं और अपने इलाके में ही रहते हैं। केवल 'ताकतवर' नर ही मादाओं से सहवास करते हैं लेकिन उनके इलाके 'कमजोर' नरों से मिल जाते हैं और कभी-कभी अन्य 'ताकतवर' नरों से भी मिल जाते हैं।

अक्सर व्यस्क नर गैंडों और अन्य गैंडों के बीच मुठभेड़ होती हैं। प्रायः इन मुकाबलों की समाप्ति हारे हुए गैंडे के पलायन से होती है जो कृन्तक दांत दिखा कर और सिर झुका कर चला जाता है। लड़ाईयों और पीछा किए जाने की ऐसी भी घटनाएं होती हैं जिनमें अन्य व्यस्क नरों और व्यस्क मादाओं को चोटें लगती हैं। दुधवा में हुई ऐसी ही एक घटना में एक व्यस्क मादा को ऐसी चोटें लगीं जिनके लिए चिकित्सीय सहायता जरूरी थी जबकि उसके चार महीने के बछड़े को व्यस्क नर द्वारा मार डाला गया था।

चौंकने पर गैंडे, हांफने या घुरघुराने की आवाज़ करते हुए, गड़बड़ी की दिशा से दूर भागते हैं। कुछ मामलों में, खास तौर पर छोटे बछड़ों वाली मादाओं के मामले में, दिखावटी हमला असामान्य नहीं है; यद्यपि इन हमलों को प्रायः अंजाम तक भी पहुंचाया जाता है। (लॉरी 1978)

दुधवा में ऐसे मामले देखे गए हैं जिनमें पालतू हाथियों और इंसानों पर हमला किया गया और कुछ घटनाओं में हाथियों और इंसानों दोनों की मौतें भी दर्ज की गई हैं। भले ही गैंडे का आकार बड़ा हैं, टांगें छोटी हैं और वह धीमा प्रतीत होता है पर वह 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है।

खुराक

गैंडा भीमकाय शाकभक्षी है जिसे घास, झाड़ियां और जलीय पौधे खाना पसंद है। भारतीय गेंडा रोजाना लगभग 40 कि.ग्रा. वनस्पति खा जाता है।

© सुशील कुमार, महावत / दुधवा टाइगर रिज़र्व

नर गैंडा मूत्रत्याग करते हुए

नर गैंडा

मादा गैंडा

यौन द्विरूपता

हालांकि खुर वाले अधिकांश नर प्राणी आकार और रूप में मादाओं से भिन्न होते हैं। किंतु एक सींग वाले गैंडों के मामले में यह भिन्नता सूक्ष्म होती है। हालांकि गैंडे अपनी आयु के मुताबिक विभिन्न आकारों वाले होते हैं; उदाहरण के लिए नवजात बछड़ा अपनी मां के मुकाबले छोटा होता है किंतु वह तेजी से बढ़ता है और एक ही साल के भीतर उसका वज़न 10 गुना बढ़ जाता है। अपनी माता से अलग होने पर बछड़ों को उपव्यस्क माना जाता है। उपव्यस्क के सींग और गर्दन की सिलवटों का विकास होता है। उपव्यस्क गैंडों को प्रायः अपनी माताओं या अन्य मादा गैंडों के करीब देखा जाता है, संभवतः अकेले नर से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के लिए। 6-7 वर्ष की उम्र के बाद उपव्यस्क गैंडे को व्यस्क गैंडे की श्रेणी में रखा जाता है। (डिनरस्टीन, 2003)

नर एवं मादा में सींग बराबर लंबाई का हो सकता है हालांकि कभी-कभी मादा का सींग ज्यादा लंबा हो सकता है। परंतु नर के सींग के आधार की परिधि ज्यादा बड़ी होती है तथा सींग अक्सर नालीदार, घिसा या टूटा हुआ होता है।

नर प्रायः अपने निचले कृन्तक दंत का इस्तेमाल अन्य नरों से लड़ने में करता है इसलिए नर गैंडे के निचले कृन्तक दांत मादा गैंडे के मुकाबले बड़े होते हैं। बड़ी उम्र के नर गैंडों की गर्दन की परिधि (सिर के पीछे और कंधों के इर्दगिर्द) मादाओं के मुकाबले खासी बड़ी होती है। यह खासियत प्रभुत्व दर्शाने के साथ ही साथ बचाव का भी काम करती है क्योंकि आमने-सामने की लड़ाईयों में गैंडे के कृन्तक दांत विरोधी की गर्दन में घुस सकते हैं।

हालांकि ये शारीरिक विशिष्टताएं गैंडे का लिंग पता करने में

© सुशील कुमार, महावत / दुधवा टाइगर रिज़र्व

मादा गैंडा मूत्रत्याग करते हुए

सहायक हो सकती हैं, किंतु यह निश्चित करने का सबसे सरल और भरोसेमंद तरीका जंगल में उनके जननांग का पर्यवेक्षण करना है। नर गैंडे का लिंग बगल से या पीछे से तब स्पष्ट दिखाई देता है जब वह छलांग या दौड़ लगाता है। लेकिन मादा गेंडे का जननांग केवल पीछे से ही दिखाई देता है और वह भी करीबी पर्यवेक्षण से। लिंग पता करने का एक अन्य भरोसेमंद तरीका है गैंडे को मूत्रत्याग करते हुए देखने का। मादा गैंडे का योनिमुख पूंछ के थोड़ा सा भीतर और गुदा के नीचे होता है जबकि नर का लिंग पिछली टांगों के बीच होता है। इसलिए मादा गैंडा मूत्रत्याग करते हुए अपनी पूंछ को उठाती है और गुदा के थोड़ा सा नीचे से मूत्र का छिड़काव करती है जबकि इसके विपरीत नर गैंडा अपनी टांगों के बीच से मूत्र का छिड़काव करता है। (लॉरी 1978; डिनरस्टीन 1991, 2003)।

प्रजनन

नर गैंडा 7 साल की आयु में यौन परिपक्वता प्राप्त कर लेता है जबकि मादा 5 साल में परिपक्व हो जाती है। गैंडों का गर्भकाल करीबन 15-16 महीने होता है और मादा हर दो-तीन साल में एक बच्चे को जन्म देती है। सहवास पूरे साल चलता है।

गैंडों में प्रसव तेजी से होता है, प्रसव के पहले लक्षणों के तीस मिनटों के भीतर। प्रसवन के लिए माद गैंडा या तो खड़ी रहती है या लेट जाती है। बछड़ा तीस मिनट के भीतर खड़ा होने में सक्षम हो जाता है और दूध पीने का प्रयास करता है। बछड़ा एक साल का होने तक निरंतर दूध पीता है। बछड़ा 6 महीने का होने तक उसकी माता 90 मिनट तक की अवधि के लिए उसे छोड़ कर 800 मीटर के फासले पर चरती है।

अगले बछड़े के जन्म से कम से कम एक हफ्ते पहले मौजूदा बछड़े अपनी मां से अलग हो जाते हैं। माता कई बार हिंसात्मक तरीके से भी अपने मौजूदा बछड़े को दूर भगा देती है। नर बछड़े 39 महीने की औसत उम्र में अपनी माता को छोड़ देते हैं; मादा बछड़ों के मामले में यह औसत 34 महीनों का है। (लॉरी 1978)

जीवनकाल

जंगली गैंडे 30-35 साल तक और कैद में 40-45 साल की उम्र तक जीवित रह सकते हैं।

बाघ (पैन्थेरा टिग्रिस) 6 महीने की आयु तक वाले बछड़ों का शिकार कर सकता है। एक साल के बछड़ों पर बाघों द्वारा असफल हमले किए जाने की घटनाएं भी हुई हैं। एक दिलचस्प जानकारी यह भी है कि व्यस्क मादा गैंडों पर बाघों के हमले की दो घटनाएं हुई हैं जिनमें से एक मामले में बाघ को सफलता मिली जबकि दूसरे मामले में मादा गैंडे को बचा लिया गया वरना वह अपनी चोटों की वजह से मारी जाती और उसे स्वस्थ होने पर पुनः वन में छोड़ दिया गया।

इन कुछ मामलों के अलावा गैंडों का एकमात्र शिकारी इंसान ही है। पिछले कई शताब्दियों से गैंडों को शिकार के खेल और उसके सींगों के लिए मारा जाता रहा है।

© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

दुनिया में गैंडे की प्रजातियां

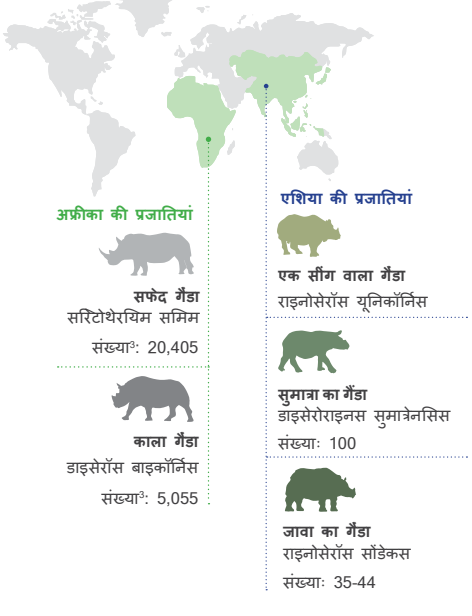

2500 भारत में गैंडों की आबादी

नेपाल में लगभग 534 गैंडे हैं (सुबेदी एट ऑल, 2013)

एक सींग वाला बड़ा गैंडा केवल भारत व नेपाल में पाया जाता है। किसी जमाने में इनका इलाका पाकिस्तान में हिंदुकुश पर्वत से लेकर सुदूर पूर्व में बर्मा तक हुआ करता था। परंतु उनके शिकार और प्राकृतिक वास स्थल खत्म होने से भारत में वे केवल काजीरंगा, पोबितोरा, ओरांग, गोरुमारा व मानस (पूर्वोत्तर), जलदापाड़ा (बंगाल) और दुधवा (उत्तर प्रदेश) तक ही सीमित हो गए। नेपाल में इनकी आबादी चितवन राष्ट्रीय उद्यान, बर्दिया राष्ट्रीय उद्यान तथा शुक्लाफांटा वाइल्डलाईफ रिजर्व में ही सीमित है।

सुमात्रन गैंडा सबाह, मलेशिया में तथा इंडोनेशिया के तीन राष्ट्रीय उद्यानों - गुनुंग लियुसर, वे कम्बास और बुकित बारिसान सेलातान - में पाया जाता है; इनकी तादाद 100 से भी कम है।

जावन गैंडा केवल इंडोनेशिया के उजुंग कुलोन नैशनल पार्क में पाया जाता है और इनकी तादाद 35-44 तक सिमट गई है (IUCN AsRSG, 2013)

दुनिया में पाए जाने वाली गैंडों की सभी प्रजातियों के आकार

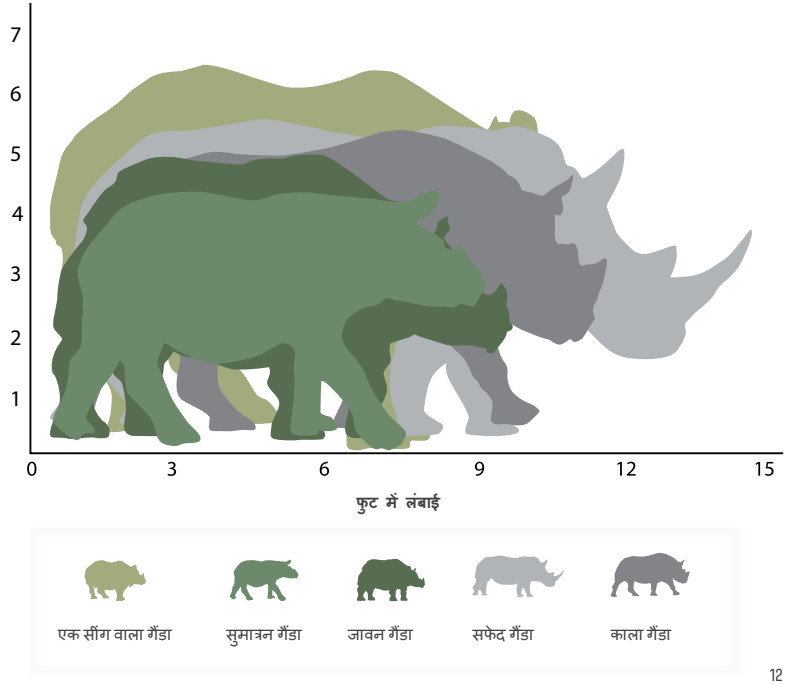

[3] IUCN AfRSG, 2013

गैंडे के शरीर के अंग

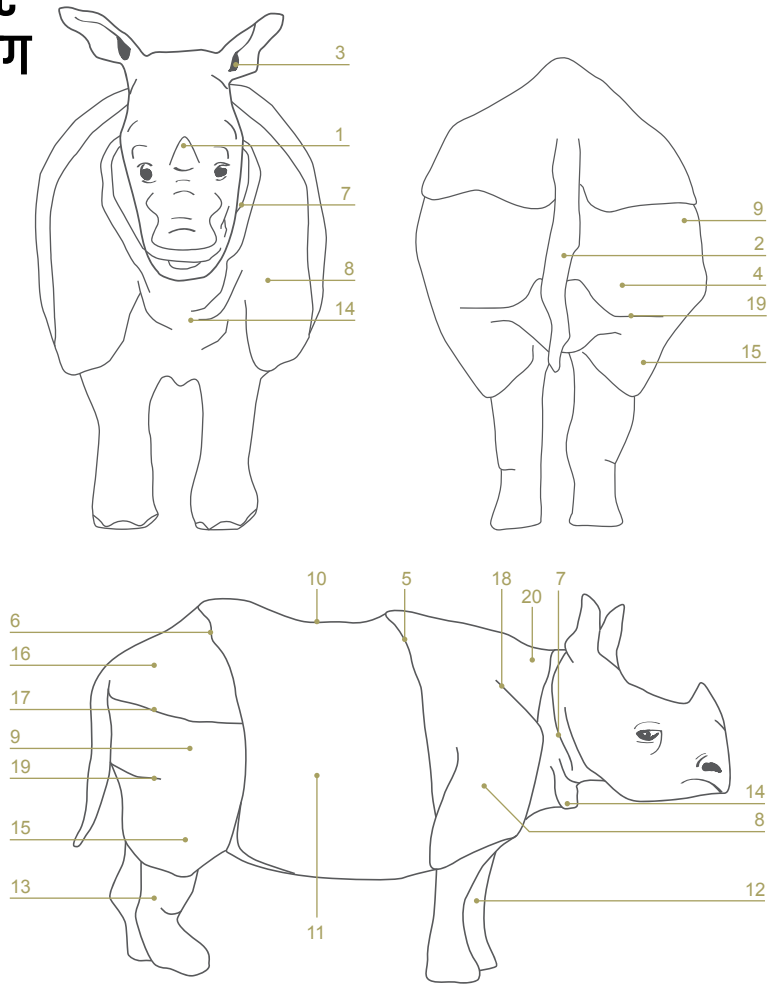

(1) सींग (2) पूंछ (3) कान (4) एनल प्लेट (5) फ्रंट क्रॉस फोल्ड (6) रियर क्रॉस फोल्ड (7) नैक फोल्ड (8) शोल्डर प्लेट
(9) अपर थाई प्लेट (10) प्रॉंग (रीढ़) (11) पसलियां (12) अगले पैर (13) पिछले पैर (14) निचला नैक फोल्ड (15) निचली थाई प्लेट
(16) बैक प्लेट (17) अपर बैक कॉर्नर फोल्ड (18) शोल्डर क्रॉस फोल्ड (19) लोअर बैक कॉर्नर फोल्ड (20) अपर नैक

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के गैंडे

बांके

आईडी नंबर 01

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, तीक्ष्ण (तलवार जैसा), चौड़ा विषम आधार, मध्य में दरार

कान
दाहिना कान फटा हुआ और आगे कि ओर झुका हुआ है

इतिहास

31/03/1984
पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाया गया
यहां लाने के समय इसकी उम्र लगभग 7 वर्ष थी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

स्वयंवरा
आईडी नंबर 03

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
नोकदार, सिरे पर पतला, आधार पर दो घुमाव

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिनी ओर - अपर बैक कॉर्नर फोल्ड के एकदम नीचे त्वचा की परत

इतिहास

29/03/1985
चितवन राष्ट्रीय उद्यान, नेपाल से लाई गई, यहां लाने के समय इसकी उम्र लगभग 5 वर्ष थी

बच्चों का जन्म

12/10/1989 को जन्मा बच्चा 07/01/1990 को मृत पाया गया

10/08/1991 को जन्मा बछड़ा, भीमसेन (आईडी नं.: 09)

07/10/1994 को जन्मी बछड़ी, राजेश्वरी (आईडी नं.: 12)

06/08/1998 को जन्मा बछड़ा 28/08/2002 को मृत पाया गया

29/07/2004 को एक बछड़े का जन्म

वर्तमान स्थिति
2014 में पैदा हुआ एक बछड़ा है

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

नारायणी

आईडी नंबर 04

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
हल्का सा मुड़ा हुआ, नोकदार (सामने से देखने पर), ज़रा सा टूटा हुआ (बगल से देखने पर)

चेहरा
नथुनों के बीच मेलेनिन की कमी वाला धब्बा

रियर क्रॉस फोल्ड
बाई ओर - फोल्ड अपर बैक कॉर्नर फोल्ड के करीब है।

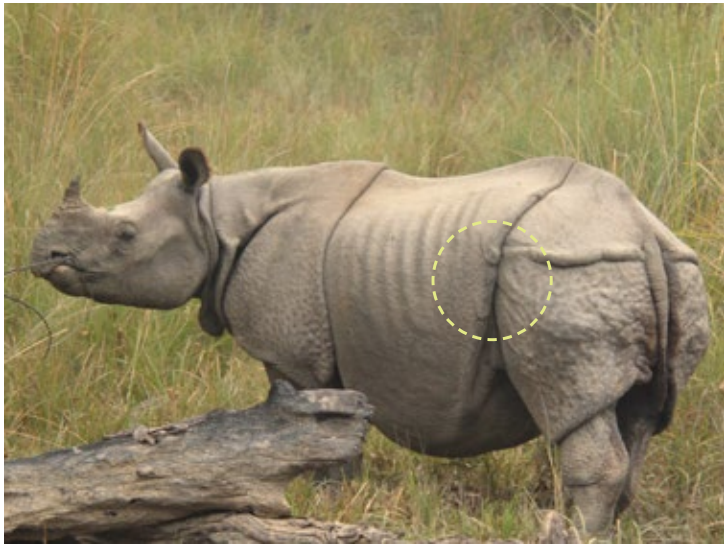

इतिहास

29/03/1985
चितवन राष्ट्रीय उद्यान, नेपाल से लाई गई यहां लाने के समय इसकी उम्र लगभग 5 वर्ष थी

बच्चों का जन्म

1987 में गर्भपात हुआ

01/06/1989 को बछड़ी का जन्म, सुहेली (आईडी नं.: 07)

31/07/1992 को जन्मा बछड़ा, नकुल (आईडी नं.: 10)

21/11/1999 को जन्मा बछड़ा 10/01/2001 को मृत पाया गया

31/08/2004 को फेंस के बाहर एक बछड़े का जन्म

2011
नर बछड़े 'विजय' का जन्म (आईडी नहीं बनाया गया)

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

सुहेली

आईडी नंबर 07

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
चौड़े आधार वाला, पतला और सिरे पर नोकदार

अपर बैक कॉर्नर फोल्ड
बाईं ओर - एनल प्लेट के ऊपर फोल्ड

इतिहास

नारायणी (आईडी नं.: 04) ने सुहेली को 01/06/1989 को जन्म दिया

बच्चों का जन्म

11/01/1994 को जन्मा बछड़ा 17/01/1994 को मृत पाया गया

17/09/1997 को बछड़ी का जन्म

01/11/2002 को बछड़ी सदा का जन्म (आईडी नं.: 18)

27/06/2005 को बछड़े का जन्म

2009 में बछड़े का जन्म

वर्तमान स्थिति
11/03/2013 को जन्मा एक बछड़ा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

भीमसेन

आईडी नंबर 09

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, आधार पर चैड़ा, नोकदार सिरा, सामने से नालीदार

कान
बांया कान आधा फटा हुआ है, सिरा गायब है

इतिहास

स्वयंवरा (आईडी नं.: 03) ने 10/08/1991 को जन्म दिया

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

नकुल

आईडी नंबर 10

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, मध्य में नालीदार

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिना - बड़ी सिलवट पसलियों पर दिखाई देती है

पेट
दाहिनी ओर - बड़ी सिलवट के नीचे चोट का निशान

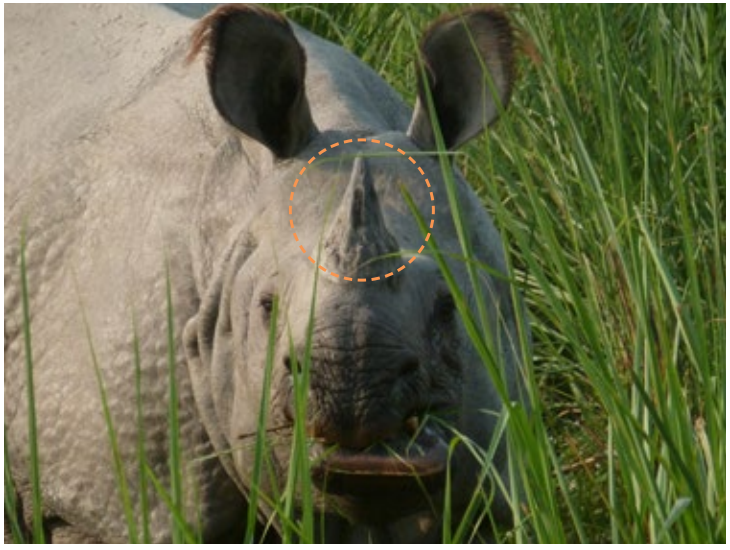

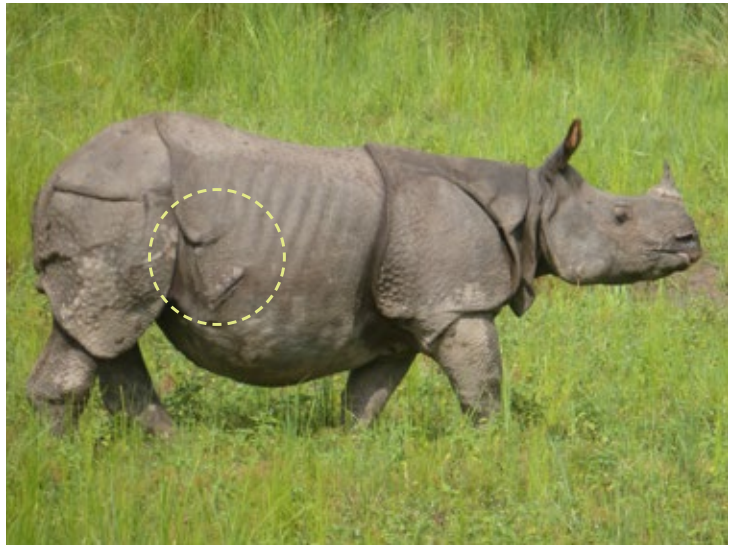

इतिहास

नारायणी (आईडी नं.: 04) ने 31/07/1992 को जन्म दिया

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

राजश्री
आईडी नंबर 11

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
लंबा, सिरे के आधार से तंग

इतिहास

हेमरानी ने राजश्री को 05/08/1992 को जन्म दिया

बच्चों का जन्म

12/06/1999 को जन्मे बछड़े को 25/02/2000 के दिन एक बाघ ने मार दिया

14/09/2007 को बछड़ा रघु का जन्म (आईडी नं.: 27)

2011
नर बछड़े अर्जुन का जन्म, 23/02/2015 को एक व्यस्क नर गैंडे द्वारा मार दिया गया

वर्तमान स्थिति
14/05/2014 को जन्मा एक बछड़ा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

राजेश्वरी
आईडी नंबर 12

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
बहुत लंबा, कोमल टैक्सचर

इतिहास

स्वयंवरा (आईडी नं.: 04) ने राजेश्वरी को 07/10/1994 को जन्म दिया

बच्चों का जन्म

07/09/2002 को जन्मे बछड़े को एक बाघ ने घायल कर दिया और वह 24/12/2002 को मृत पाया गया

09/03/2005 को बछड़ी का जन्म

16/09/2007 को बछड़े का जन्म

2011
एक बछड़े का जन्म (आईडी नहीं बना)

वर्तमान स्थिति
..../07/2014 को जन्मा एक बछड़ा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

विजयश्री

आईडी नंबर 15

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
छोटा, नोकदार, समबाहु त्रिकोणीय आकार

अपर बैक कॉर्नर फोल्ड
बायीं - सिलवट ऊपरी पीठ के कोने के मोड़ पर

इतिहास

हेमरानी ने विजयश्री को 19/10/1997 को जन्म दिया

बच्चों का जन्म

21/05/2006 को बछड़े का जन्म

2008
बछड़े का जन्म (आईडी नं.: 29)

12/10/2012 को जन्मे बछड़े को एक व्यस्क नर ने 19/02/2013 को मार डाला

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

हेमवती

आईडी नंबर 16

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
छोटा, नोकदार

इतिहास

राजरानी ने हेमवती को 01/11/2001 को जन्म दिया

बच्चों का जन्म

वर्तमान स्थिति
21/09/2014 को एक बछड़े का जन्म

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

सहदेव

आईडी नंबर 17

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, बीच में बड़ी दरार, बगल से देखने पर मुड़ा हुआ लगता है

इतिहास

हेमरानी ने सहदेव को 06/08/2002 को जन्म दिया

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

सदा

आईडी नंबर 18

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
चौड़े आधार वाला, तंग सिरा

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिना - पैर के बगल में बड़ी मुड़ी हुई परत

इतिहास

सुहेली
(आईडी नं.: 07) ने
सदा को
01/11/2002 को
जन्म दिया

बच्चों का जन्म

2009
मादा बछड़ी सुभद्रा
का जन्म
(आईडी नं.: 30)

19/09/2012 को
जन्मी बछड़ी
28/11/2013 को
मृत पाई गई

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

शमा

आईडी नंबर 22

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
छोटा, गोल, सिरे के साथ

अपर बैक कॉर्नर फोल्ड
बायीं - पूरी सिलवट विषम आकार की है

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिना ओर - प्रमुख U-आकार की सिलवट ऊपरी पीठ के कोने की सिलवट के थोड़ा नीचे है

इतिहास

सुहेली (आईडी नं.: 07) ने 27/06/2005 को जन्म दिया

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

हेमराज

आईडी नंबर **25**

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
मध्यम आकार, सिरा पीछे की ओर

इतिहास

13/09/2007 को हेमरानी से जन्मा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

पवन

आईडी नंबर 26

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
मध्यम आकार

कान
दाहिना - ऊपरी भाग पर छेद

रियर क्रॉस फोल्ड
बायीं ओर - ऊपरी पीठ के कोने की सिलवट पर बड़ा मुड़ाव

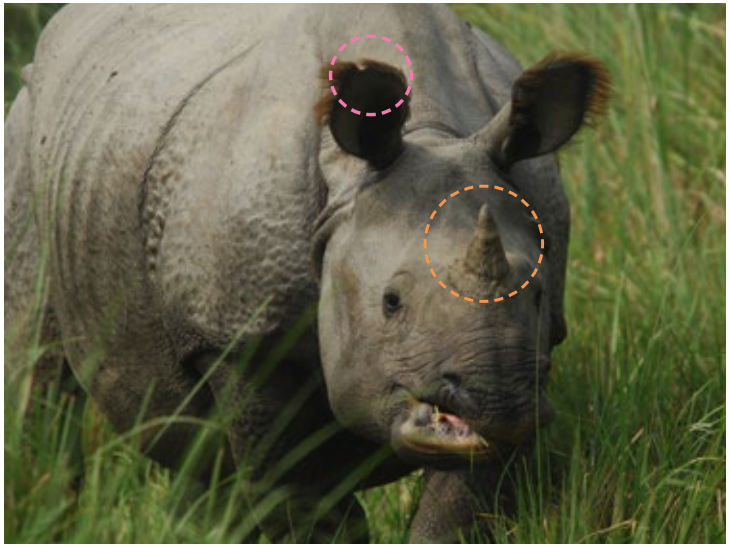

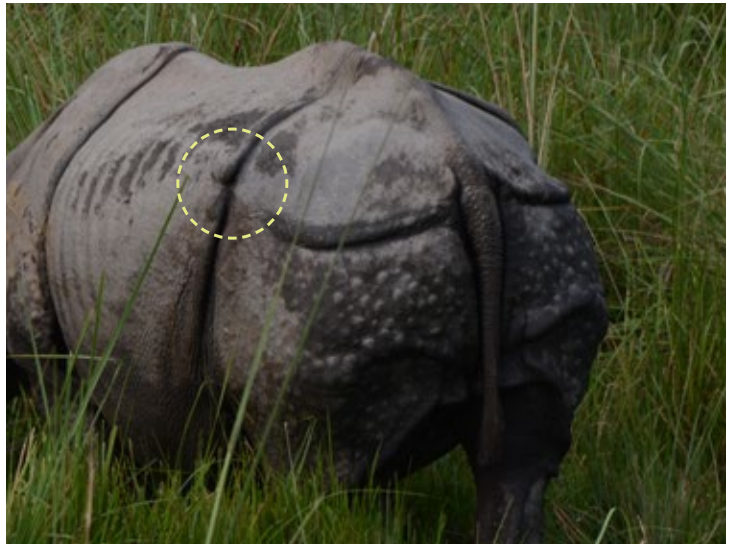

इतिहास

पावित्रि के गर्भ से 14/09/2007 को जन्मा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

रघु
आईडी नंबर 27

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
चौड़ा, विषम आधार. मध्य में छोटा खांचा. बगल से देखने पर सपाट सिरा.

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिनी - ओर X जैसा निशान

इतिहास

राजश्री (आईडी नं.: 11) के गर्भ से 14/09/2007 को जन्मा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

विजयश्री का बछड़ा

आईडी नंबर 28

लिंग: **अज्ञात**

विशेषताएं

सींग
छोटा

इतिहास

विजयश्री (आईडी नं.: 15) ने 2008 में इसे जन्म दिया

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

सुभद्रा

आईडी नंबर 30

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
छोटा

इतिहास

सदा
(आईडी नं.: 18) के
गर्भ से 2009 में जन्म

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

अज्ञात नर 1

आईडी नंबर अ. न. 1

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, नोकदार, आधार पर खांचा

कान
बायां हिस्सा दोफाड़

रियर क्रॉस फोल्ड
दाहिना ओर - खाल पर खरोंच, ऊपरी पीठ के कोने की सिलवट से थोड़ा सा नीचे

अपर व निचली थाई प्लेट
बायीं ओर - खरोंच का बड़ा निशान तिरछा जा रहा है

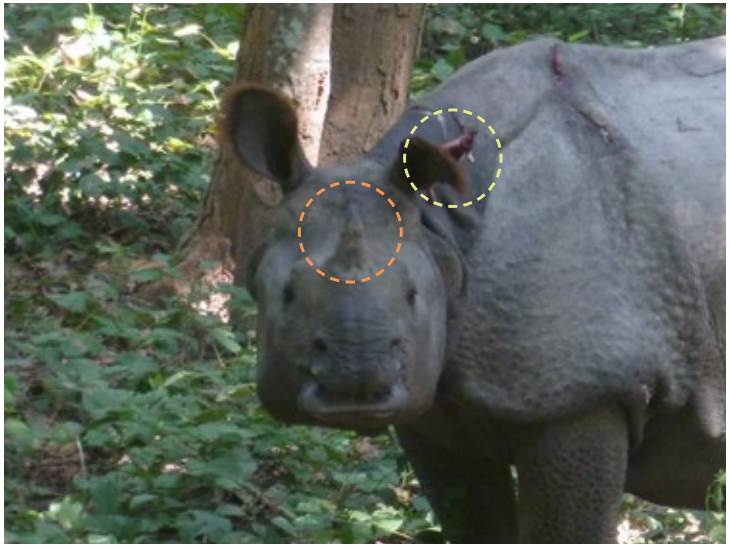

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

अज्ञात नर 2

आईडी नंबर अ. न. 2

लिंग: **नर**

विशेषताएं

सींग
लंबा, बगल पर खांचे और बीच में प्रमुख खांचा

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

अज्ञात मादा 1

आईडी नंबर अ. मा. 1

लिंग: **मादा**

विशेषताएं

सींग
लंबा, चैड़ा, नोक दार सिरा

रियर क्रॉस फोल्ड
बायीं ओर - खाल में एक बड़ा फटाव, ऊपरी पीठ के कोने की सिलवट से थोड़ा सा नीचे

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
जनवरी																															
फरवरी																															
मार्च																															
अप्रैल																															
मई																															
जून																															
जुलाई																															
अगस्त																															
सितंबर																															
अक्टूबर																															
नवंबर																															
दिसंबर																															

टिप्पणी

ककराहा में गश्त पर कर्मचारी
© रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान की तस्वीरें:

© रुचिर शर्मा

महावत - छोटे लाल, जगरूप प्रसाद, इरशाद अली, मोहम्मद उमर और सुशील कुमार

चारा कटर - ऐजाज अली, पप्पू, रहीस, रियासुद्दीन और सुरेश

अनुलग्नक

दुधवा टाइगर रिजर्व में पुन: स्थापित किए गए गैंडों का ब्यौरा

क्रमांक	नाम	लिंग	लाये जाने की तारीख	लाये जाने के वक्त उम्र	वर्तमान स्थिति	ब्यौरा
1	बांके	नर	31/03/1984	7 साल	जीवित	पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाया गया
2	राजू	नर	31/03/1984	25 साल	मृत	पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाया गया; 11/12/1988 को बांके ने उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया और वह मर गया
3	सहेली	मादा	31/03/1984	30 साल	मृत	पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाई गई; वह 12/04/1984 को तनावपूर्ण गर्भपतन से मर गई
4	आशा	मादा	31/03/1984	17 साल	मृत	पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाई गई; कैद में चोट लगने की वजह से 31/07/1984 को मारी गई
5	पवित्री	मादा	31/03/1984	4 साल	मृत	पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य, असम से लाई गई; 27/01/2013 को एक बाघ के हमले के कारण पड़े दिल के दौरे से मौत हुई
6	स्वयमवरा	मादा	29/03/1985	5 साल	जीवित	चितवन नैशनल पार्क, नेपाल से लाई गई
7	नारायणी	मादा	29/03/1985	5 साल	जीवित	चितवन नैशनल पार्क, नेपाल से लाई गई
8	हेमरानी	मादा	04/01/1985	4 साल	मृत	चितवन नैशनल पार्क, नेपाल से लाई गई; वृद्ध अवस्था के कारण इसकी मृत्यु 18/10/2014 को हुई
9	रासी	मादा	04/01/1985	6 साल	मृत	चितवन नैशनल पार्क, नेपाल से लाई गई; 25/09/1991 को मृत्यु हुई
10	लोहित	नर	28/04/1992	8 साल	वापस	कानपुर चिड़ियाघर से लाया गया, किंतु बांके के हमले के बाद वापस भेज दिया गया, अभी वह लखनऊ चिड़ियाघर में है

दुधवा के गैंडों का वंश-वृक्ष

व्याख्या: मृत गैंडा **जीवित गैंडा**

पवित्री का वंश

एक बच्चा (अज्ञात) 04/08/1991 को पैदा हुआ, उसे एक बाघ ने चोटिल कर दिया और वह 11/01/2000 को मृत पाया गया	एक बच्चा (अज्ञात) 21/09/1995 को पैदा हुआ और वह 21/01/1996 को मृत पाया गया	कार्तिकेय नामक बछड़ा 02/10/1997 को पैदा हुआ और 16/02/2014 को मृत पाया गया	**14/09/2007 को पवन का जन्म हुआ और वह जीवित है**	06/11/2012 को जन्मी बछड़ी 09/01/2013 को मृत पाई गई

स्वयंवरा का वंश

एक बच्चा (अज्ञात) 12/10/1989 को पैदा हुआ और वह 07/01/1990 को मृत पाया गया

बछड़ा भीमसेन 10/08/1991 को जन्मा और अभी तक जीवित है

बछड़ी राजेश्वरी 07/10/1994 को जन्मी और जीवित है

एक बछड़ा 06/08/1998 को जन्मा और 28/08/2002 को मृत पाया गया

29/07/2004 को जन्मा एक बछड़ा (अज्ञात) अभी जीवित है

बछड़ा (अज्ञात) 2014 में पैदा हुआ

राजेश्वरी का वंश

एक बच्चा (अज्ञात) 07/09/2002 को पैदा हुआ, उसे एक बाघ ने घायल कर दिया और वह 24/12/2002 को मृत पाया गया

बछड़ा (अज्ञात) ..../07/2014 में पैदा हुआ

बछड़ा (अज्ञात) 2011 में पैदा हुआ

बछड़ा (अज्ञात) 16/09/2007 में पैदा हुआ

एक बछड़ी 09/03/2005 को जन्मी और अभी जीवित है

नारायणी का परिवार

1987 में गर्भपात हो गया

बछड़े नकुल का जन्म 31/07/1992 को हुआ वह अभी जीवित है

21/11/1999 को एक बछड़े (अज्ञात) का जन्म हुआ, वह 10/01/2001 को मृत पाया गया

31/08/2004 को फेंस के बाहर जन्मा एक बछड़ा (अज्ञात) अभी जीवित है

नर बछड़ा विजय 2011 में पैदा हुआ

बछड़ी सुहेली का जन्म 01/06/1989 में हुआ, वह जीवित है

सुहेली का परिवार

17/09/1997 में जन्मी एक बछड़ी जीवित है

मादा बछड़ी शमा 27/06/2005 में पैदा हुई

2009 में जन्मा बच्चा (अज्ञात) अभी जीवित है

11/03/2013 में जन्मा एक बच्चा (अज्ञात) जिंदा है

11/01/1994 में जन्मा एक बच्चा (अज्ञात) 17/01/1994 को मरा पाया गया

बछड़ी सदा का जन्म 01/11/2002 को हुआ

सदा का परिवार

मादा बछड़ी सुभद्रा 2009 में पैदा हुई

19/09/2012 में जन्मी एक बछड़ी 28/11/2013 में मृत पाई गई, मौत की वजह अज्ञात है

हेमरानी का वंश वृक्ष

23/11/2013 को जन्मा बछड़ा 09/01/2014 को मरा मिला

नर बछड़ा हेमराज 13/09/2007 में पैदा हुआ

19/10/1997 को पैदा हुई बछड़ी विजयश्री जीवित है

06/08/2002 को जन्मा बछड़ा सहदेव जीवित है

बछड़ी राजश्री का 05/08/1992 को जन्म हुआ, वह अभी जीवित है

विजयश्री का परिवार

नर बछड़ा 21/05/2006 में पैदा हुआ

2008 में जन्मा एक बच्चा (अज्ञात) जीवित है

12/10/2012 को जन्मा एक बछड़ा 19/02/2013 को एक व्यस्क नर गैंडे द्वारा मार दिया गया

02/02/1989 को जन्मी बछड़ी राजरानी 02/12/2011 को मरी मिली

राजश्री का परिवार

12/06/1999 को जन्मे एक बच्चे (अज्ञात) 25/02/2000 को बाघ ने मार दिया

बछड़ा रघु 14/09/2007 को जन्मा, वह अभी जीवित है

नर बछड़ा अर्जुन 2011 में पैदा हुआ जिसे एक व्यस्क नर गैंडे ने 23/02/2015 को मार डाला

बछड़ा (अज्ञात) 14/05/2014 को पैदा हुआ

राजरानी का परिवार

1995 में गर्भपात हो गया

02/01/1999 को पैदा हुआ एक बछड़ा 28/10/1999 को मरा पाया गया

बछड़ी हेमवती 01/11/2001 को जन्मी, वह अभी जिंदा है

नर बछड़ा 07/10/2006 में पैदा हुआ

हेमवती का परिवार

21/09/2014 को बछड़ा (अज्ञात) पैदा हुआ

ककराहा का गैंडा क्षेत्र

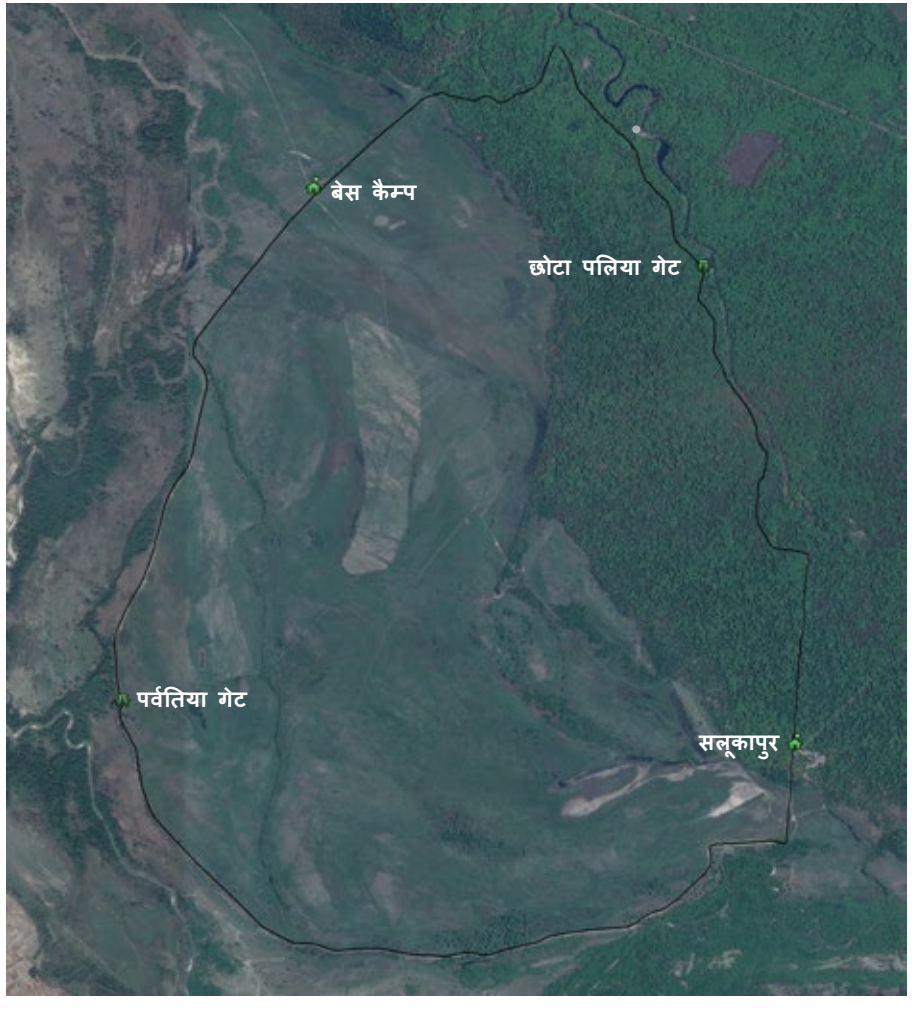

फेंस की लंबाई: 18.2 कि.मी.
घेरे का क्षेत्रफल: 21.1 वर्ग कि.मी.

गार्मिन इट्रैक्स 10 के लिए मैनुअल

(यह इट्रैक्स 20 और इट्रैक्स 30 पर भी लागू होता है)

उपकरण के बारे में :

1. **ज़ूम बटन** - नक्शे पर ज़ूम इन और ज़ूम आउट करें
2. **बैक बटन** - पीछे लौटें
3. **जॉयस्टिक** - किसी भी दिशा में नैविगेट करें और एक विकल्प चुनें
4. **मैन्यु बटन** - विकल्पों के लिए
5. **पावर/लाइट बटन** - उपकरण को स्विच ऑन करने और स्क्रीन की रौशनी बढ़ाने के लिए
6. **मिनी यूएसबी पोर्ट** - (वैदर कैप के नीचे)
7. **बैटरी कवर**
8. **बैटरी कवर लॉकिंग रिंग**

बैटरी इंस्टॉल करना

यह उपकरण AA साइज़ की दो बैटरियों से चलता है। पहले बैटरी कवर लॉकिंग रिंग को बायीं तरफ घुमाएं और कवर को खींच के हटा दें। '+' और '--' का निशान देख कर उसी हिसाब से बैटरियां लगाएं, जीपीएस में सूचित किए अनुसार बैटरी लगानी अनिवार्य है। अब बैटरी कवर लगा दें, निचले हिस्से को पहले लगाएं और फिर डी-रिंग को दाहिनी ओर घुमाएं।

ऑन करना और सैटेलाइट के सिग्नल प्राप्त करना

पावर बटन को पकड़ें। उपकरण चालू होने पर सिग्नल प्राप्त करने लगेगा। तुरंत सिग्नल प्राप्त करने के लिए खुला आसमान चाहिए। सिग्नल प्राप्त करते समय उपकरण हिलना नहीं चाहिए, इसलिए एक जगह पर बने रहें जब तक कि ऊपरी बायें कोने में रीडिंग न आने लगे। रीडिंग के दाहिनी ओर मीटरों में एक अंक होगा। यह सटीकता है। अधिकतम सटीकता पाने के लिए यह अंक जितना

मुमकिन हो उतना छोटा होना चाहिए 3 मी. उच्चतम सटीकता है जो उपकरण दे सकता है और यही आदर्श है, लेकिन जब तक सटीकता 10 मीटर से नीचे न हो तब तक कोई रीडिंग नहीं लेनी चाहिए। तारीख/समय या जीपीएस की बैटरी लाइफ देखने के लिए लाइट बटन को एकबार दबाएं। स्क्रीन की रोशनी को बढ़ाने या घटाने के लिए लाइट बटन को कई बार दबाएं।

वेपॉइंट को सेव करना

जॉयस्टिक बटन को अंदर की ओर दबाएं और तब तक दबाए रखें जब तक कि Waypoint नाम व स्थिति न दिखने लगे। किसी भी विवरण में बदलाव के लिए जॉयस्टिक का इस्तेमाल करते हुए स्क्रोल कर के एक आइटम सिलेक्ट करें, ऊपर, नीचे व बगलों में उसे घुमाएं।

नाम परिवर्तन के लिए Waypoint नाम को सिलेक्ट करें और जॉयस्टिक को अंदर की ओर दबाएं। एक कीबोर्ड उभरेगा और जॉयस्टिक का इस्तेमाल करते हुए विकल्प का नाम ऐंटर करें और फिर 'Done' को सिलेक्ट करें। नाम, लोकेशन साथ उभरेगा। लोकेशन को सेव करने के लिए 'Done' पर स्क्रोल डाउन करें और जॉयस्टिक को दबाएं। लोकेशन सेव होने के बाद उपकरण अपने वास्तविक स्क्रीन पर लौट आएगा।

लोकेशन पर नैविगेशन

मेन मैन्यु में एंटर करने के लिए Menu की को दबाएं। 'Where to?' को सिलेक्ट करें, Waypoint को सिलेक्ट करें और चुनें कि आप किस पॉइंट को नैविगेट करना चाहते हैं। 'Go' पर क्लिक करें और मैप पेज खुल जाएगा, जिसमें एक लाइन पॉइंट पर नैविगेट कर रही होगी। दूसरे विकल्प के तहत एक इच्छित लोकेशन को Waypoint Manager के जरिए देखा जा सकता है। सिलेक्ट करें Waypoint Manager और फिर जॉयस्टिक का इस्तेमाल करते हुए लोकेशन के नाम पर स्क्रोल करें।

किसी खास ट्रैक को सेव करना

मेन मैन्यु में ऐंटर करने के लिए Menu बटन को दो बार दबाएं। Track Manager सिलेक्ट करें और फिर Current Track को सिलेक्ट करें (यह मौजूदा लॉग्ड ट्रैक है)। स्क्रीन पर चार विकल्प प्रकट होंगे - अंतिम को सिलेक्ट करें, Current Track को क्लीयर करें, ट्रैक्ट डेटा को डिलीट करें और 'Yes' पर क्लिक करें। पहले ट्रैक किए हुए डेटा को सेव करने के लिए पहले विकल्प 'Save Track' पर क्लिक करें और फिर नाम बदलें और स्क्रीन के नीचे मौजूद 'Done' बटन तक स्क्रोल करें और उसे सिलेक्ट करें।

फाइल को सेव/ऐक्सपोर्ट करने के बाद जीपीएस Current Track को डिलीट के लिए पूछेगा ताकि स्पेस का अधिकतम उपयोग किया जा सके, 'Yes' पर क्लिक कर दें। स्क्रीन 'Track Manager' पर लौट आएगा और सेवा किया हुआ ट्रैक ऐप्लाइड नाम के तहत प्रकट हो जाएगा।

किसी इलाके की गणना

मेन मैन्यु में प्रवेश के लिए 'Menu' की को दो बार दबाएं। 'Area Calculation' को सिलेक्ट करें और फिर 'Start' को सिलेक्ट करें। जिन इलाके को मापना है उसकी परिधि पर चलें और पूरा होने पर 'Calculate' को सिलेक्ट करें। इलाके की गणना का आंकड़ा प्रकट हो जाएगा। क्षेत्रफल को विभिन्न इकाईयों में जानने के लिए 'Change Unit' को सिलेक्ट करें और फिर जिस युनिट में क्षेत्रफल की गणना करनी हो उसे सिलेक्ट कर लें। ट्रैक किए गए क्षेत्र को सेव करने के लिए 'Save Track' को सिलेक्ट करें, एक नाम ऐंटर करें और 'Done' को सिलेक्ट करें।

सैटअप में ऐडवांस्ड सैटिंग्स

सिस्टम

1. GPS
हमेशा 'Normal' पर सैट करें

2. WAAS/EGNOS
हमेशा 'Off' रखें

3. Language
English

4. Battery type
Alkaline यदि रिचार्जेबल इस्तेमाल न कर रहे हों, Lithium चुनें

5. USB Mode
हमेशा 'Mass Storage' सैट करें

डिस्प्ले

1. Backlight Timeout
हमेशा 15 सेकंड सैट रखें

2. Adjust Contrast
टॉगल को बीच में रखें

मैप

1. Orientation
उत्तर के लिए हमेश के पेज के शीर्ष पर 'North Up' चयन करें, सफर की मौजूदा दिशा दिखाने के लिए पेज के शीर्ष पर 'Track Up' चयन करें

2. Data Fields
O

3. Advanced Map Setup
Auto Zoom - On
User Waypoint Zoom Level - Auto
User Waypoint Text Size - Small

4. Marine Colors
Off

ट्रैक्स

1. Track log
हमेशा रिकॉर्ड, 'Show on map' पर सैट रखें

2. Record Method
Auto पर सैट करें

3. Recording Interval
Normal पर सैट करें

रिसेट

1. Reset Trip Data
सारा ट्रिप डाटा (यानी मैक्स स्पीड, ओडोमीटर आदि) रिसैट करने के लिए 'Yes' पर क्लिक करें

2. Delete All Waypoints
जीपीएस पर सभी वेपॉइंट डिलिट करने के लिए 'Yes' पर क्लिक करें

3. Clear Current Track
मौजूदा ट्रैक लॉग क्लीयर करने के लिए 'Yes' पर क्लिक करें

4. Reset All Settings
जीपीएस को फैक्ट्री स्टेट पर रिसैट करने के लिए 'Yes' क्लिक करें

पेज सिक्वेंस

नया पेज जोड़ने के लिए 'Add page' को चयन करें। किसी पेज को मूव या डिलिट करने के लिए पेज को चयन करें और 'Move' या 'Remove' को चयन करें। इस ऑर्डर को बनाए रखें: Satellite, Map, Compass, Trip Computer, Main Menu.

युनिट्स

1. Distance & Speed
हमेशा Metric सिलेक्ट करें

2. Elevation (Vertical Speed)
हमेशा Meters (m/sec) सिलेक्ट करें

समय

1. Time Format
AM/PM में समय दिखाए इसके लिए 12-Hour को सिलेक्ट करें; घंटों में दिखाने के लिए 24-Hour को सिलेक्ट करें

2. Time Zone
हमेशा Automatic सिलेक्ट करें

पोज़िशन फॉरमेट

पोजिशन फॉरमेट या नक्शों के विवरण को न बदलें, जब तक कि निर्देश न हो। इन सैटिंग्स से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती।

1. Position Format
अंश दशमलव के लिए hddd.ddddd° सैट करें या अंश मिनट सैकिंडों के लिए hddd°mm'ss.s" सैट करें

2. Map Datum
WGS 84 से कभी न बदलें

3. Map Spheroid
WGS 84 से कभी न बदलें

हैडिंग

1. **Display**
हमेशा Directional Letters पर सैट करें

2. North Reference
हमेशा True पर सैट रखें

3. Go To Line
हमेशा Bearing पर सैट रखें

मेन मैन्यु को कस्टमाइज़ करना (सैटअप में नहीं)

मेन मैन्यु में प्रवेश के लिए मैन्यु की को दो बार दबायें। मैन्यु में मैन्यु बटन को एक बार दबाएं और 'Change Item Order' चयन करें। नया पेज जोड़ने के लिए 'Add Page' को चयन करें। किसी पेज को मूव या डिलिट करने के लिए पेज को चयन करें और फिर 'Move' या 'Remove' को चयन करें। यह ऑर्डर बनाए रखें: Waypoint Manager, Track Manager, Where To?, Area Calculation, Setup.

दैनिक प्रजाति अनुश्रवण फॉर्म

सशस्त्र / निशस्त्र
(एक को टिक करें)

दिनांकः _____ प्रारंभ समयः _____ समाप्ति समयः_____ गश्त सहभागी: _____

जीपीएस लोकेशन (Dd.mmmmm°)	स्थान	प्रजाति	प्रत्यक्ष अवलोकन						अप्रत्यक्ष अवलोकन	टिप्पणी	फोटो नं.
			व्यस्क			बच्चा					
			नर	मादा	अज्ञात	नर	मादा	अज्ञात			

गैंडा पुनर्वास क्षेत्र में पाए जाने वाले स्तनपायी जंतु

ग्रेटर वन हॉर्न्ड राइनोसेरॉस
(राइनोसेरॉस युनिकॉर्निस) **गैंडा**

टाइगर
(पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस) **बाघ**

लैपर्ड
(पैंथेरा पार्डस) **तेंदुआ**

स्लॉथ बियर
(मेलुरसुस युर्सिनस) **भालू**

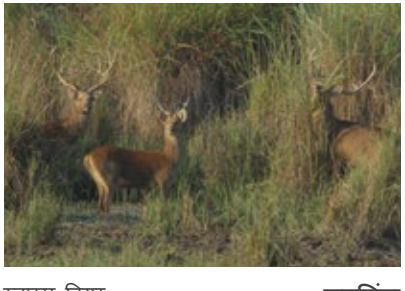

स्वाम्प डियर
(रुसेरवुस दुआयुसेली) **बारासिंगा**

स्पॉटेड डियर
(ऐक्सिस ऐक्सिस) **चीतल**

हॉग डियर
(ऐक्सिस पॉर्सिनस) **पाड़ा**

फिशिंग कैट
(प्रियोनेलुरुस विवेरिनस) **बाघ दशा**

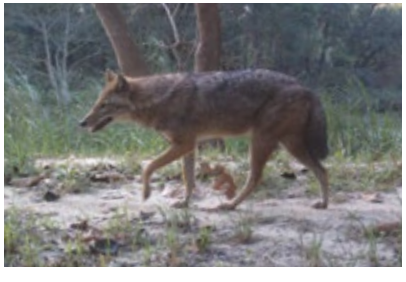

गोल्डन जैकाल
(कानिस ऑरियुस) **सियार**

स्मूद इंडियन ऑटर
(लुटरा पर्सपिसिलाटा) **ऊदबिलाव**

रेसुस मकाउ
(मकाका मुलाता) **बंदर**

ग्रे लंगूर
(सेमनोपिथेकस ऐंटेलुस) **लंगूर**

इंडियन पॉर्कुपाइन **सेही**
(हिस्ट्रिक्स इंडिका)

हिस्पिड हेयर **झबरा खरगोश**
(कैप्रोलागुस हिस्पिडस)

हनी बैजर **बिज्जू**
(मेलिवोरा कैपेनसिस)

इंडियन ग्रे मॉन्गूज़ **नेवला**
(हरपेसतेस ऐडवार्डसी)

फोटो क्रेडिट:
वेटर वन हॉर्न्ड राइनोसेरॉस, स्वाम्प डियर, स्पॉटेड डियर, हॉग डियर: © रुचिर शर्मा / विश्व प्रकृति निधि - भारत
टाइगर, लैपर्ड, स्लॉथ बियर, फिशिंग कैट, गोल्डन जैकाल, स्मूद इंडियन ऑटर, रेसुस मकाउ, ग्रे लंगूर, इंडियन पॉर्कुपाइन, हनी बैजर, इंडियन ग्रे मॉन्गूज़: © विश्व प्रकृति निधि - भारत
हिस्पिड हेयर: © विश्व प्रकृति निधि - भारत / मानस टाइगर रिज़र्व

गैंडा पुनर्वास क्षेत्र में पाए जाने वाले वनस्पति

घास

लंबी

अप्लूडा म्युटिका

गंदर, खुस, पन्नी सींक
क्रायसोपोगोन ज़िज़ानॉइडिस
(syn. वेटिवेरिया ज़िज़ानॉइडिस)

दाभ
डेस्मोटच्या बिपिन्नाता

हेमारथ्रिया कॉम्प्रेसा

मेयारी, चरनी, पन्हार
इम्पेराता सिलिंड्रिका
(syn. I अरुनडिनासिया)

नरेंगा, तमर, कंवर
नरेंगा पोरफायरोकोमा
(syn. सकारुम नरेंगा)

कांस
सकारुम स्पॉन्टेनियम

रेतवा
स्क्लेरोस्टाच्या फुस्का

दलदली

किलक नारी
अरुंदो डोनाक्स

केरेक्स spp.

हेमारथ्रिया कॉम्प्रेसा

मेयारी, चरनी, पन्हार
इम्पेराता सिलिंड्रिका (syn. I अरुनडिनासिया)

पस्पालिडियम फ्लाविडम

नरकुल, नर, तातार
फ्रेगमाइट्स करका

रेतवा
स्क्लेरोस्टाच्या फुस्का

उल्ला, सरखेरा
थेमेडा अरुनडिनासिया

छोटी

गुरला
क्रिसोपोगेन ऐसिसुलाटुस

दूब
सायनोडॉन डैक्टिलॉन

साइपेरस spp.
(i.e. C. मिशेलियानुस, C. किलिंजिया, C. हैस्पैन)

मुंज
सकारुम बेंगालेन्सिस
(syn. एरियनथस मुंजा)

जलीय पौधे

(तैरते पत्तों वाले स्थिर जलीय पादप)

निम्फासिया spp.
(N. नाउचली syn. N. स्टेलाटा)

नेलुम्बो नुसिफेरा

(मुक्त तैरते जलीय पादप)

हाइग्रोरिज़ा अरिस्ताता

ट्रापा नटांस

(लटकते जलमग्न जलीय पादप)

हाइड्रिला वर्टिसिलाता

स्टकेनिया पेक्टिनाता
(syn. पोटेमोजिटॉन पेक्टिनाटस)

वलिसनेरिया स्पिरालिस

किनारे व नदी तट के पर्यावास

सेमल
बाम्बैक्स सीबा
(syn. बॉम्बैक्स मालाबारिकम = सलमालिया मालाबारिका)

ढाक
बुटी मोनोसपोर्मा (syn. बुटी फ्रोंडोसा)

शीशम, सिसू
डैलबर्गिया सिसू

खैर
सेनेगलिया कटैचू
(syn. अकासिया कटैचू)

जामुन
सिज़िजियम क्युमिनी
(syn. इयूजिनिया जम्बोलाना)

झाड़ियां

एजरेटम कॉनिजॉइडिस

आर्टेमेसिया नीलाजिरिका

क्रोमोलाएना ओटोराटा
(syn. यूपाटोरियम ओडोराटम)

भिंडू, पुचेरा, दया
कॉलेब्रुकिया ओपोसितिफोलिया

ऐरिगेरॉन spp.

लिटसिया spp.

गंधेला, काथ नीम
मुर्राया कोइनिगी

पॉलीगोनम प्लेबियुम

प्रेमना spp.

सेलानन spp.

रंगोई
टेलियोकोरा ऐक्युमिनाटा

गुटेल
ट्रेविया नूडिफ्लोरा

बेर झरबेरी
जिजिफुस मौरेटियाना

वनस्थली

साल, साखू
शोरिया रोबस्ता

संदर्भ

De, R. 2001. Management Plan for Dudhwa Tiger Reserve. Uttar Pradesh Forest Department.

Dinerstein, E. 1991. Sexual Dimorphism in the Greater One-Horned Rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*). Journal of Mammology.

Dinerstein, E. 2003. The Return of the Unicorns : The Natural History and conservation of the Greater One-Horned Rhinoceros. Columbia University Press.

Hajra, P.K. and Shukla, V. 1982. Dudhwa National Park: Some Botanical Aspects of the Proposed New Habitat for Rhino. Botanical Survey of India, Howrah.

Hewitt, Sir J. 1938. Jungle trails in Northern India. London.

IUCN African Rhino Specialist Group. 2013.

IUCN Asian Rhino Specialist Group. 2013.

Laurie, W.A. 1978. The Ecology and Behaviour of the Greater One-homed Rhinoceros. PhD. Thesis. University of Cambridge, UK.

Mathur, P.K. and Midha, N. 2008. Mapping of National Parks and Wildlife Sanctuaries, Dudhwa Tiger Reserve, WII-NNRMS-MoEF Project, Final Technical Report, Wildlife Institute of India, Dehradun, India. 216 pp.

Nowak, R.M. and Paradiso, J.L. 1983. Walker's Mammals of the World. Johns Hopkins University Press. Baltimore. MD.

Sale, J.B. 1981. Final Recommendations of the Rhino Sub- Committee of the Wild Life Status Evaluation Committee of the IBWL, on the Translocation of Great Indian rhinoceros. Government of India, New Delhi.

Sale, J.B. and Singh, S. 1987. Reintroduction of Greater Indian Rhinoceros into Dudhwa National Park. Oryx 21 (2) : 81-84.

Sinha, S.P. and Sawarkar, V.B. 1994. Management of the Reintroduced Great One Horned Rhinoceros (*Rhinoceros unicornis*) in Dudhwa National Park, Uttar Pradesh, India. Wildlife Institute of India, Dehradun. 218-227.

Schenkel, R. 1983. Report on the Suitability of Dudhwa National Park, UP, as Potential Site for Re-introduction of the Indian Rhinoceros. IUCN Species Survival Commission, Gland, Switzerland.

Subedi, N., Jnawali, S.R., Dhakal, M., Pradhan, N.M.B., Lamichhane, B.R., Malla, S., Amin, R., and Jhala, Y.V. 2013. Population status, structure, and distribution of the greater one-horned rhinoceros rhinoceros unicornis in Nepal. Oryx 47 (3) : 352-360.

© सुशील कुमार महावत / दुधवा टाइगर रिजर्व

वाहन चलने योग्य एक सड़क पर कर्मचारी मॉनसून में पैट्रोलिंग करते हुए

100%
रीसाइकलड

WWF

हम यहां हैं

पृथ्वी के प्राकृतिक पर्यावरण को खत्म होने से बचाने के लिए और एक ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए जहां इंसान कुदरत के साथ सौहार्दपूर्वक रहे।

www.wwfindia.org